कूटः

(a) (i) (ii) और (iv)

(b) (i) (ii) और (iii)

(c) (ii) (iii) और (iv)

(d) (i) (ii) (iii) और (iv)

ईं झें रें 13.02.2016

Ans. (b) – चीरवा का शिलालेख 1273 ई. में राजस्थान के उदयपुर जिले के चीरवा गांव के एक मंदिर के बाहरी द्वार पर उत्कीर्ण करवाया गया था। इसमें संस्कृत में 51 श्लोकों का वर्णन मिलता है। रत्नप्रभु सूरी ने इसकी रचना की तथा पार्श्वचंद ने उसे सुन्दर लिपि में लिखा। पद्मसिंह के पुत्र केलिसिंह ने उसे खोदा और शिल्पी देल्हण ने उसे दीवार पर लगाने आदि का कार्य किया। इस शिलालेख में गुहिल वंश का वर्णन मिलता है।

166. चिरवा शिलालेख किस राजवंश के शासकों का उल्लेख करता है?

(a) मारवाड़ के राठौड़ शासकों का

(b) मेवाड़ के गुहिल शासकों का

(c) आमेर के कछवाहा शासकों का

(d) अजमेर के चौहार शासकों का

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (b) –उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

167. मानमोरी शिलालेख राजस्थान के किस क्षेत्र से सम्बन्धित है?

(a) मण्डोर (b) माऊँट आबू

(c) चित्तौड़ (d) पाली

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 date 06.11.2020 Shift-I

Ans. (c) : मानमोरी शिलालेख मानसरोवर झील के निकट चित्तौड़ में एक स्तम्भ पर उत्कीर्ण करवाया गया था। मानमोरी शिलालेख 8वीं सदी का शिलालेख है। मानमोरी शिलालेख के रचयिता पुष्य तथा उत्कीर्णकर्ता शिवादित्य का उल्लेख भी इस अभिलेख में मिलता है।

168. निम्नलिखित में से कौन सा अभिलेख चित्तौड़ के प्रारम्भिक इतिहास पर प्रकाश डालता है?

(a) अचलेश्वर का अभिलेख

(b) मानमोरी का अभिलेख

(c) सामोली का अभिलेख

(d) बिजौलिया का अभिलेख

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

169. राजस्थान का कौन सा पूर्व राजवंश शैव परम्परा का निर्वहन करता है?

(a) चौहान (b) गुहिल

(c) सिसोदिया (d) राणा

RPSC Prayogshala Sahayak (Vigyan) 28-06-2022

Ans. (b) : गुहिल या गुहादित्य इस वंश का संस्थापक था। यह शैव परम्परा का निर्वहन करता था। बप्पा रावल भगवान एकलिंग नाथ को अपना कुलदेवता मानता था।

170. निम्नलिखित में से एकलिंग शिलालेख (1460ई.) का लेखक है?

(a) महेश्वर (b) जगन्नाथ राव

(c) राणा कुंभा (d) जगत सिंह

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) गुहिल वंश के प्रसिद्ध एकलिंगजी मंदिर का निर्माण बप्पा रावल ने करवाया था। एकलिंग जी गुहिल वंश के कुल देवता माने जाते हैं। एकलिंग मंदिर में स्थापित एकलिंग शिलालेख की रचना महेश भट्ट अथवा महेश्वर ने की थी। बप्पा रावल का वास्तविक नाम काल भोज था।

171. नाथ प्रशस्ति राजस्थान की किस रियासत से सम्बन्धित है?

(a) मारवाड़ (b) जयपुर

(c) मेवाड़ (d) जैसलमेर

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 (06.11.2022)

Ans. (c) : ''नाथ प्रशस्ति'' राजस्थान के मेवाड़ रियासत से सम्बंधित है। नाथ प्रशस्ति 971 ई0 में राजस्थान के उदयपुर जिले के एकलिंगजी के मंदिर के पास लकुलीश मंदिर में संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण की गई थी। नाथ प्रशस्ति के रचायिता आम्र कवि थें। नाथ प्रशस्ति में बापा, नागदानगर, गुहिल तथा नरवाहन राजाओं का वर्णन मिलता है।

172. जैत्रसिंह था-

(a) जालौर का शासक (b) मेवाड़ का शासक

(c) रणथम्भौर का शासक (d) बूँदी का शासक

Kanisht Abhiyanta (Civil) 18.05.2022

Ans. (b) : जैत्रसिंह (1213-1250) मेवाड़ के शासक थे। इन्होंने मेवाड़ की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित की। परमारों से चित्तौड़ छीनकर उसे अपनी राजधानी बनाई। जैत्रसिंह ने 'भूताला के युद्ध' में सुल्तान इल्तुतमिश को हराया। इन्होंने आहड़ को चालुक्यों से मुक्त कराया तथा वागड़ एवं कोट्ड़ा आदि को अपने साम्राज्य में मिलाया। राजस्थान आयोग ने इस प्रश्न को डिलिट कर दिया है।

173. निम्नलिखित में से कौन सिसोदिया वंश के पूर्वज बने थे?

(a) राणा उदयसिंह I (b) राणा प्रताप

(c) राणा कुंभा (d) राणा हम्मीर

Pashudhan Sahayak Date. 04.06.2022

Ans. (d) : सिसोदिया वंश गुहिल राजवंश की एक उपशाखा है। इस वंश ने मेवाड़ पर कई वर्षों तक शासन किया। 1303 ई. में अलाउद्दीन के चित्तौड़ विजय के कई वर्ष पश्चात् राणा हम्मीर सिंह ने मेवाड़ में सिसोदिया वंश की स्थापना की थी।

174. मेवाड़ के निम्न शासकों का सही क्रमिक कालक्रम है–

(a) हम्मीर → क्षेत्र सिंह → लक्षसिंह (लाखा) → मोकल

(b) क्षेत्र सिंह → हम्मीर → लक्षसिंह (लाखा) → मोकल

(c) लक्षसिंह (लाखा) → मोकल → हम्मीर → क्षेत्र सिंह

(d) मोकल → क्षेत्र सिंह → हम्मीर → लक्षसिंह (लाखा)

RPSC G.K. & Agronomy 29.08.2022

Ans. (b) : मेवाड़ के शासकों का सही कालानुक्रम इस प्रकार है–

1. क्षेत्र सिंह (जैत्र सिंह) 1213-1250 ई.
2. राणा हम्मीर – 1326-64 ई.
3. लक्षसिंह (लाखा) – 1382-1421 ई.
4. महाराजा मोकल – 1421-1433 ई.